भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2489

जिसका उत्तर 08 अगस्त, 2022 को दिया जाना है।

.....

बांधों की स्थिति

2489. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत पांच वर्षो के दौरान देश में आई बाढ़ का वर्ष-वार और क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास विगत पांच वर्षो के दौरान बांधों के कारण आई बाढ़ के संबंध में ब्यौरा है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि देश में 5,745 बांध हैं, जिनमें से 293 बांध 100 साल से अधिक पुराने हैं और 25 प्रतिशत बांध 50 से 100 साल पुराने हैं; और

(ङ) यदि हां, तो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए बांधों को बेहतर ढंग से सुसज्जित करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री (श्री बिश्वेश्वर टूडू)

(क): केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) एक नोडल संगठन है जिसे देश में बाढ़ की भविष्यवाणी और बाढ़ की पूर्व चेतावनी का कार्य सौंपा गया है। वर्तमान में, सीडब्ल्यूसी 332 पूर्वानुमान स्टेशनों (199 नदी स्तर पूर्वानुमान स्टेशनों और 133 बांध/बैराज अंतर्वाह पूर्वानुमान स्टेशनों) के लिए बाढ़ पूर्वानुमान जारी करता है। ये स्टेशन 23 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 20 प्रमुख नदी घाटियों को कवर करते हैं। लोगों को सुरक्षित निकालने की योजना बनाने और अन्य उपचारात्मक उपाय करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को अधिक समय प्रदान करने के लिए, केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने अभिनिर्धारित बाढ़ पूर्वानुमान और अंतर्वाह पूर्वानुमान स्टेशनों पर 5 दिनों की अग्रिम बाढ़ पूर्वानुमान सलाह के लिए वर्षा-अपवाह संख्यात्मक मॉडलिंग पर आधारित बेसिन-वार बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल विकसित किया है। सीडब्ल्यूसी के बाढ़ पूर्वानुमान नेटवर्क के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान, असम, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के मौजूदा बाढ़ संभावित राज्यों के अलावा केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान राज्यों में कम अवधि में अत्यधिक भारी वर्षा के साथ साथ कम अवधि में अत्यधिक भारी वर्षा के कारण भीषण बाढ़ देखी गई। विवरण **अनुलग्नक** में है।

(ख) और (ग): बांध साधारणतया बाढ़ को कम करने में सहायता प्रदान करते हैं। हालांकि, जलाशयों के दोषपूर्ण संचालन के परिणामस्वरूप कभी-कभी डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में बाढ़ आ सकती है। सीडब्ल्यूसी ने बांधों के लिए संचालन और रखरखाव नियमावली, 2018 तैयार करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं जिसमें सामान्य संचालन और आपातकालीन संचालन सहित परियोजना संचालन के विभिन्न पहलू शामिल हैं। बाढ़ के मौसम सहित एक वर्ष के दौरान जल निकासी के प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रोटोकॉल और जिम्मेदारियों पर बांध मालिकों के लिए मार्गदर्शन के रूप में कार्य करते हैं। परिचालन नियम वक्र (जलाशय भरने और छोड़ने दोनों के लिए) की तैयारी के विवरण भी दिशानिर्देशों का हिस्सा हैं। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुसार, राज्य सरकारों और राज्य के अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं कि वे राज्य के अधिकारियों द्वारा जलाशय/बांध से पानी छोड़ने के निर्णय के तुरंत बाद निकटवर्ती राज्यों को इसकी सूचना दें। जलाशयों के दोषपूर्ण संचालन के कारण आई बाढ़ का डाटा केंद्रीय रूप से नहीं रखा जाता है।

(घ): केंद्रीय जल आयोग के बड़े बांधों के राष्ट्रीय रजिस्टर, 2019 के अनुसार, भारत में 5745 बड़े बांध हैं, जिनमें से 5334 पूरे हो चुके हैं और परिचालन में हैं जबकि 411 निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा, 227 बड़े बांध 100 वर्ष से अधिक पुराने हैं और लगभग 18% बांध 50 से 100 वर्ष की आयु के हैं।

(ङ): बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (डीआरआईपी) के तहत, विश्व बैंक के वित्त पोषण के साथ 2012-2021 के दौरान कार्यान्वित चरण- I के अंतर्गत 7 राज्यों में स्थित 250 बड़े बांधों की डिजाइन बाढ़ समीक्षा की गई थी। इसके अलावा, संशोधित डिजाइन बाढ़ के साथ बांध और जलाशय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की परियोजना के अंतर्गत पुनर्वास उपाय (संरचनात्मक कार्यकलाप) या परिचालन प्रक्रियाएं (डिजाइन बाढ़ से निपटने के गैर-संरचनात्मक तरीके) किए गए थे। इसके अलावा, डीआरआईपी चरण-II के अंतर्गत 267 बड़े बांधों की डिजाइन बाढ़ समीक्षा की गई है, जो अक्टूबर 2021 में चालू हो गई है। बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 में बांध की विफलता से संबंधित आपदाओं की रोकथाम के लिए बांधों की निगरानी, निरीक्षण, संचालन और रखरखाव के लिए बांध की विफलता से संबंधित आपदाओं की रोकथाम के लिए और उनके सुरक्षित कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत तंत्र प्रदान करने के लिए और उससे जुड़े या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए बहुत व्यापक रूप से प्रावधान किए गए हैं।

*****

अनुलग्नक

"बांधों की स्थिति" के संबंध में दिनांक 08.08.2022 को राज्य सभा में उत्तर दिये जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 2489 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

पिछले पांच वर्षों के दौरान देश में बाढ़ों का राज्य-वार विवरण

राज्य	**वर्ष**	**बेसिन**
असम	2018, 2019, 2020	ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियाँ
बिहार	2017,2019, 2020, 2021	गंगा, गंडक, कोसीमहानंदा, कमलाबलन
छत्तीसगढ़	2020	महानदी
कर्नाटक	2018,2019, 2020,2021	कावेरी और उसकी सहायक नदियाँ
केरल	2018, 2019, 2021	तदरी और कन्याकुमारी के बीच पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ
मध्य प्रदेश	2019, 2020 & 2021	चंबल, नर्मदा और उनकी सहायक नदियाँ
महाराष्ट्र	2019, 2020 & 2021	तदरी और कन्याकुमारी, गोदावरी, कृष्णा और उनकी सहायक नदियों के बीच पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ
उड़ीसा	2020 &2021	महानदी, सुवर्णरेखा
राजस्थान	2019 & 2021	चंबल और उसकी सहायक नदियाँ
तमिलनाडु	2018, 2019, 2020, 2021	पेन्नार और कावेरी के बीच पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ, कावेरी और कन्याकुमारी के बीच पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ, कावेरी और उसकी सहायक नदियाँ
तेलंगाना	2020, 2021	कृष्णा, पेंगंगा
आंध्र प्रदेश	2020 & 2021	पेन्नार और कावेरी के बीच पूर्व की ओर बहने वाली नदियाँ, पेन्नार
त्रिपुरा	2018	बराक और उसकी सहायक नदियाँ
उत्तर प्रदेश	2017, 2019, 2020, 2021	गंगा और उसकी सहायक नदियाँ
उत्तराखंड	2021	शारदा
पश्चिम बंगाल	2017, 2021	हुगली, तीस्ता

*****